No. of Printed Pages : 3

MHD-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 12×3=36

(क) दैन्य जड़ित अपलक नत चितवन
अधरों में चिर नीरव रोदन,
युग-युग के तम से विषण्ण मन,
वह अपने घर में प्रवासिनी !

(ख) मैं क्षितिज-भृकुटि पर घिर धूमिल
चिन्ता का भार बनी अविरल,
रज-कण पर जल-कण हो बरसी
नवजीवन-अंकुर बन निकली !

(ग) शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृतमिश्रित सूखी समिधा-सम
कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रन्दन सुन आँसू से
तुमने ही तो दृग धोये थे ?
कालिदास, सच-सच बतलाना
रति रोई या तुम रोये थे ?

(घ) अगर मैं तुमको ललाती साँझ के नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुँई,
टटकी कली चम्पे की, वगैरह, तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है।
बल्कि केवल यही : ये उपमान मैले हो गए हैं।

(ङ) डूब गयीं संध्याएँ, अस्त हुआ इन्द्रधनुष !

लेकिन मैं

पत्थर का शप्त धनुष !

मुझमें से जल अहरह, अनचाहे, अनजाने

तीरों-सा छूट रहा।

2. एक कवि और समाज-सुधारक के रूप में भारतेन्दु के महत्व की चर्चा कीजिए। 16

3. मैथिलीशरण गुप्त की स्त्री दृष्टि पर प्रकाश डालिए। 16

4. जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 16

5. महादेवी वर्मा के प्रिय प्रतीकों का परिचय दीजिए। 16

6. 'पंत की काव्य-भाषा' विषय पर एक निबंध लिखिए। 16

7. मुक्तिबोध की पक्षधरता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 16

8. धूमिल की कविता के निहितार्थों को रेखांकित कीजिए। 16

9. हिन्दी कविता के विकास में अज्ञेय के योगदान पर प्रकाश डालिए। 16